

| الشُّورَة     | دُفْعُهُ | الصَّحِيفَةُ | الشُّورَة    | دُفْعُهُ | الصَّحِيفَةُ |
|---------------|----------|--------------|--------------|----------|--------------|
| الْفَاتِحَة   | ١        | ١            | الرُّوم      | ٣٠       | ٤٠٤          |
| البَقَرَة     | ٢        | ٢            | لُقْمَان     | ٣١       | ٤١١          |
| آلِ عِمْرَان  | ٣        | ٥٠           | السَّجْدَة   | ٣٢       | ٤١٥          |
| النِّسَاء     | ٤        | ٧٧           | الأَحْزَاب   | ٣٣       | ٤١٨          |
| المَائِدَة    | ٥        | ١٠٦          | سَبَأ        | ٣٤       | ٤٢٨          |
| الْأَنْعَام   | ٦        | ١٢٨          | فَاتِر       | ٣٥       | ٤٣٤          |
| الْأَعْرَاف   | ٧        | ١٥١          | يَس          | ٣٦       | ٤٤٠          |
| الْأَنْفَال   | ٨        | ١٧٧          | الصَّافَات   | ٣٧       | ٤٤٦          |
| التَّوْبَة    | ٩        | ١٨٧          | ص            | ٣٨       | ٤٥٣          |
| يُونُس        | ١٠       | ٢٠٨          | الرُّمَز     | ٣٩       | ٤٥٨          |
| هُود          | ١١       | ٢٢١          | غَافِر       | ٤٠       | ٤٦٧          |
| يُوسُف        | ١٢       | ٢٣٥          | فُصِّلَت     | ٤١       | ٤٧٧          |
| الرَّعْد      | ١٣       | ٢٤٩          | الشُّورَى    | ٤٢       | ٤٨٣          |
| إِبْرَاهِيم   | ١٤       | ٢٥٥          | الرَّحُف     | ٤٣       | ٤٨٩          |
| الحِجْر       | ١٥       | ٢٦٢          | الدَّخَان    | ٤٤       | ٤٩٦          |
| النَّحْل      | ١٦       | ٢٦٧          | الْبَاقِيَة  | ٤٥       | ٤٩٩          |
| الْإِسْرَاء   | ١٧       | ٢٨٢          | الْأَحْقَاف  | ٤٦       | ٥٠٢          |
| الكَهْف       | ١٨       | ٢٩٣          | مُحَمَّد     | ٤٧       | ٥٠٧          |
| مَرْيَم       | ١٩       | ٣٠٥          | الْفَتْح     | ٤٨       | ٥١١          |
| طه            | ٢٠       | ٣١٢          | الحِجَرَات   | ٤٩       | ٥١٥          |
| الْأَنْبِيَاء | ٢١       | ٣٢٢          | ق            | ٥٠       | ٥١٨          |
| الحَجّ        | ٢٢       | ٣٣٢          | الذَّارِيَات | ٥١       | ٥٢٠          |
| المُؤْمِنُون  | ٢٣       | ٣٤٢          | الطُّور      | ٥٢       | ٥٢٣          |
| النُّور       | ٢٤       | ٣٥٠          | النَّجْم     | ٥٣       | ٥٢٦          |
| الْفُرْقَان   | ٢٥       | ٣٥٩          | القَمَر      | ٥٤       | ٥٢٨          |
| الشُّعَرَاء   | ٢٦       | ٣٦٧          | الرَّحْمَن   | ٥٥       | ٥٣١          |
| النَّمْل      | ٢٧       | ٣٧٧          | الْوَاقِعَة  | ٥٦       | ٥٣٤          |
| الْقَصَص      | ٢٨       | ٣٨٥          | الحَدِيد     | ٥٧       | ٥٣٧          |
| العَنَكُوت    | ٢٩       | ٣٩٦          | المُجَادَلَة | ٥٨       | ٥٤٢          |

| السُّورَة      | دُفْعَة | الْصِّحْفَة | السُّورَة    | دُفْعَة | الْصِّحْفَة |
|----------------|---------|-------------|--------------|---------|-------------|
| أَحْشَرُ       | ٥٩      | ٥٤٥         | الْأَعْلَى   | ٨٧      | ٥٩١         |
| الْمُتَجَنَّة  | ٦٠      | ٥٤٨         | الْغَاشِيَة  | ٨٨      | ٥٩٢         |
| الْصَّاف       | ٦١      | ٥٥١         | الْفَجْر     | ٨٩      | ٥٩٣         |
| الْجُمُعَة     | ٦٢      | ٥٥٣         | الْبَلَد     | ٩٠      | ٥٩٤         |
| الْمَنَافِقُون | ٦٣      | ٥٥٤         | الشَّمْس     | ٩١      | ٥٩٥         |
| التَّغَابُن    | ٦٤      | ٥٥٦         | الْلَيْل     | ٩٢      | ٥٩٥         |
| الطَّلَاق      | ٦٥      | ٥٥٨         | الضُّحَى     | ٩٣      | ٥٩٦         |
| التَّحْرِيم    | ٦٦      | ٥٦٠         | الشُّرُك     | ٩٤      | ٥٩٦         |
| الْمُلْك       | ٦٧      | ٥٦٢         | التِّين      | ٩٥      | ٥٩٧         |
| القَلَم        | ٦٨      | ٥٦٤         | العَلَق      | ٩٦      | ٥٩٧         |
| الْحَاقَّة     | ٦٩      | ٥٦٦         | القَدَر      | ٩٧      | ٥٩٨         |
| المَعَاجِ      | ٧٠      | ٥٦٨         | الْبَيِّنَة  | ٩٨      | ٥٩٨         |
| نُوح           | ٧١      | ٥٧٠         | الزَّلْزَلَة | ٩٩      | ٥٩٩         |
| الْجَنّ        | ٧٢      | ٥٧٢         | العَادِيَات  | ١٠٠     | ٥٩٩         |
| الْمُرْجَم     | ٧٣      | ٥٧٤         | القَارِعَة   | ١٠١     | ٦٠٠         |
| الْمَدَّثِر    | ٧٤      | ٥٧٥         | التَّكَاثُر  | ١٠٢     | ٦٠٠         |
| الْقِيَامَة    | ٧٥      | ٥٧٧         | العَصْر      | ١٠٣     | ٦٠١         |
| الْإِنْسَان    | ٧٦      | ٥٧٨         | الْهُمَزَة   | ١٠٤     | ٦٠١         |
| الْمُرْسَلَات  | ٧٧      | ٥٨٠         | الْفِيل      | ١٠٥     | ٦٠١         |
| النَّبَأ       | ٧٨      | ٥٨٢         | قُمْرِي ش    | ١٠٦     | ٦٠٢         |
| النَّازِعَات   | ٧٩      | ٥٨٣         | المَاعُون    | ١٠٧     | ٦٠٢         |
| غَبَس          | ٨٠      | ٥٨٥         | الْكُونُثَر  | ١٠٨     | ٦٠٢         |
| التَّكْوِيْن   | ٨١      | ٥٨٦         | الْكَافِرُون | ١٠٩     | ٦٠٣         |
| الْإِنْفِطَار  | ٨٢      | ٥٨٧         | النَّصْر     | ١١٠     | ٦٠٣         |
| الْمُطَفِّفِين | ٨٣      | ٥٨٧         | المَسَد      | ١١١     | ٦٠٣         |
| الْإِنْشِقَاق  | ٨٤      | ٥٨٩         | الْإِخْلَاص  | ١١٢     | ٦٠٤         |
| الْبُرُوج      | ٨٥      | ٥٩٠         | الْفَلَق     | ١١٣     | ٦٠٤         |
| الطَّارِق      | ٨٦      | ٥٩١         | النَّاس      | ١١٤     | ٦٠٤         |

# فهرست الفبایی سوره‌ها

| نام سوره | شماره | صفحه |
|----------|-------|------|
| آل عمران | ۶۲    | ۵۵۳  |
| انعام    | ۷۲    | ۵۷۲  |
| احزاب    | ۶۹    | ۵۶۶  |
| احقاف    | ۲۲    | ۳۳۲  |
| اخلاص    | ۱۵    | ۲۶۲  |
| اسراء    | ۴۹    | ۵۱۵  |
| اعراف    | ۵۷    | ۵۳۷  |
| احقاف    | ۵۹    | ۵۴۵  |
| حمد      | ۱     | ۱۰۰  |
| حم سجده  | ۴۱    | ۴۷۷  |
| مذخان    | ۴۴    | ۴۹۶  |
| دھر      | ۷۶    | ۵۷۸  |
| ذاریات   | ۵۱    | ۵۲۰  |
| رحمن     | ۵۵    | ۵۳۱  |
| زعد      | ۱۳    | ۲۴۹  |
| روم      | ۳۰    | ۴۰۴  |
| زخرف     | ۴۳    | ۴۸۹  |
| زلزله    | ۹۹    | ۵۹۹  |
| زمر      | ۳۹    | ۴۵۸  |
| سبا      | ۳۴    | ۴۲۸  |
| سجده     | ۳۲    | ۴۱۵  |
| شرح      | ۹۴    | ۵۹۶  |
| شعراء    | ۲۶    | ۳۶۷  |
| شمس      | ۹۱    | ۵۹۵  |
| شوری     | ۴۲    | ۴۸۳  |
| ص        | ۳۸    | ۴۵۳  |
| صافات    | ۳۷    | ۴۴۶  |
| صف       | ۶۱    | ۵۵۱  |
| ضحی      | ۹۳    | ۵۹۶  |
| طارق     | ۸۶    | ۵۹۱  |
| طلاق     | ۶۵    | ۵۵۸  |

| نام سوره    | شماره | صفحه |
|-------------|-------|------|
| آل عمران    | ۳۸    | ۵۰   |
| انعام       | ۱۴    | ۲۵۵  |
| احزاب       | ۳۳    | ۴۱۸  |
| احقاف       | ۴۶    | ۵۰۲  |
| اخلاص       | ۱۱۲   | ۶۰۴  |
| اسراء       | ۱۷    | ۲۸۲  |
| اعراف       | ۷     | ۱۵۱  |
| احقاف       | ۸۷    | ۵۹۱  |
| آنا انزلناه | ۹۷    | ۵۹۸  |
| انبياء      | ۲۱    | ۳۲۲  |
| انسان       | ۷۶    | ۵۷۸  |
| انشراح      | ۹۴    | ۵۹۶  |
| انشقاق      | ۸۴    | ۵۸۹  |
| انعام       | ۶۶    | ۱۲۸  |
| انفال       | ۸     | ۱۷۷  |
| انفطار      | ۸۲    | ۵۸۷  |
| برانت       | ۹     | ۱۸۷  |
| بروج        | ۸۵    | ۵۹۰  |
| بقرة        | ۲     | ۲    |
| بلد         | ۹۰    | ۵۹۴  |
| بنی اسرائیل | ۱۷    | ۲۸۲  |
| بنه         | ۹۸    | ۵۹۸  |
| بنیت        | ۱۱۱   | ۶۰۳  |
| بیت تحریم   | ۶۶    | ۵۶۰  |
| بنی تغابن   | ۶۴    | ۵۵۶  |
| تکاثر       | ۱۰۲   | ۶۰۰  |
| تکویر       | ۸۱    | ۵۸۶  |
| توبه        | ۹۱    | ۱۸۷  |
| توحید       | ۱۱۲   | ۶۰۴  |
| تین         | ۹۵    | ۵۹۷  |
| جاثیه       | ۴۵    | ۴۹۹  |

## قرآن کریم

مترجم: استاد ابوالفضل بهرام‌پور

خطاط: عثمان طه

مجری پروژه: گروه چاپ و نشر قدسیان

ناشر: پارسایان

چاپخانه: قدسیان

شابک: ۹۷۸-۸۶۴-۸۴۷۰-۶۱-۱

نوبت چاپ: اول، ۱۳۸۸

شمارگان: ۵۰۰۰ نسخه



مشاوره و مجری پروژه‌های  
بزرگ چاپ و نشر

قم/بلوار سمیه/نبش شانزدهم/شماره ۳۲۲

تلفن: ۰۲۵۱-۷۷۴۲۲۰۰ (۵ خط)

سفارشات: ۰۹۳۵ ۷۷۴۲۲۰۰

سامانه پیامک: ۳۰۰۰ ۴۷۴۷۴۷ ۲۲۰۰

[www.Qodsiyan.com](http://www.Qodsiyan.com)

شماره: ۲۸۳، ۸۰۹  
تاریخ: ۱۳۸۸/۱۲/۱۵

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
إِنَّا نَحْنُ نَزَّلْنَا الذِّكْرَ وَإِنَّا لَهُ لَحَافِظُونَ



این مصحف شریف شامل: سی جزء کامل

و با مشخصات:

|             |                  |
|-------------|------------------|
| خطاط:       | : عثمان طه       |
| نوع خط:     | : نسخ            |
| مترجم:      | : ابراهیم بزمپور |
| نوع ترجمه:  | : زیر            |
| زبان ترجمه: | : فارسی          |
| قطع:        | : وزیری          |

تعداد سطور در هر صفحه: چهارده

تعداد صفحات متن قرآن: ۶۰۴ (تعداد صفحات قبل از متن: ۵ - تعداد صفحات

بعد از متن: ۷ - مجموع صفحات: ۶۱۶)

|                    |                |
|--------------------|----------------|
| نوبت چاپ:          | : اول          |
| محل چاپ و چاپخانه: | : قم - اسراء   |
| تعداد:             | : پنج هزار جلد |

در تاریخ ۸۸/۱۲/۱۱ از جهت صحت کتبات و تطابق با قرأت عاصم به روایت حفص در اداره کل نظارت بر چاپ و نشر قرآن کریم سازمان دارالقرآن الکریم بررسی و تصحیح گردید که مراتب در پرونده شماره (۲۰۸۱۰۴۹۱۰۶۰۱۱۰۳۱۴۰۶۰۴۰۰) ثبت و چاپ آن توسط انتشارات پارسایان با رعایت مقررات اعلام شده از سوی وزارت فرهنگ و ارشاد اسلامی بلامانع می باشد.

بدیهی است انتشار این مصحف شریف پس از چاپ منوط به دریافت مجوز نشر (توزیع) و تجدید چاپ آن مشروط به تأیید مجدد و صدور مجوز کتبی اداره کل نظارت بر چاپ و نشر قرآن کریم خواهد بود. /ش

و من الله التوفیق  
سازمان دارالقرآن الکریم

۱۳۸۸/۱۲/۱۵

